आज़ादी का अमृत महोत्सव

साप्ताहिक सूचना पत्र

(दिनांक 14.11.2022 से 20.11.2022)

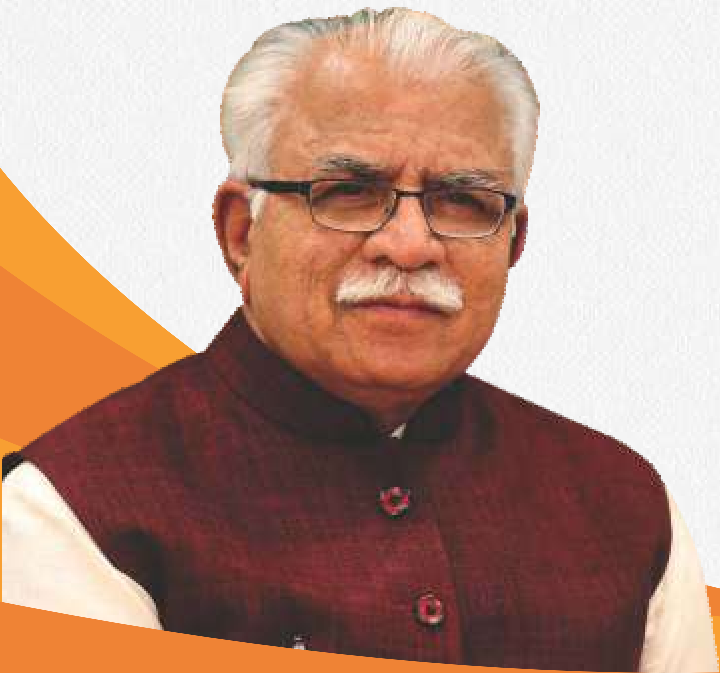

भारतीय जनता पार्टी
हरियाणा

जर्मनी के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात

(दिनांक 15.11.2022)

प्रभाव : मुख्यमंत्री जी ने अपने आवास संत कबीर कुटीर पर जर्मनी के सांसद श्री राहुल कुमार, नेशनल डिप्टी प्रेसिडेंट, जेएफडब्ल्यू के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री जी के साथ निवेश, निर्यात और व्यापार बढ़ाने के लिए परस्पर सहयोग स्थापित करने को लेकर भी चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्य की कुशल वर्कफोर्स को युरोप व जर्मनी में नौकरी देने हेतू दिलचस्पी दिखाते हुए कहा कि हरियाणा के युवाओं में अपार संभावनाएं हैं, केवल उन्हें कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने की जरूरत है। इसी दिशा में स्वास्थ्य देखभाल और वृद्धजनों की देखभाल के लिए नर्सिंग व हेल्थ केयर के नाते से प्रदेश के युवाओं को कौशल

प्रशिक्षण प्रदान कर युरोप व जर्मनी में नौकरी के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रदान कर उन्हें विदेशों में रोजगार के अवसर मुहैया करवाना है। इसी उद्देश्य से सरकार द्वारा शिक्षा के साथ–साथ कौशल विकास को प्राथमिकता देने के लिए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बी2बी, जी2जी, बी2जी आदि व्यवसायों के विभिन्न मॉडलों में से हम हरियाणा में एच2एच यानी हार्ट टू हार्ट मॉडल से काम करने में विश्वास करते हैं।

उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि निवेश के अन्य क्षेत्रों में भी संभावनाएं तलाशी जाएं। हरियाणा में विदेश सहयोग विभाग का गठन किया गया है, जो विदेशी कंपनियों व विभिन्न संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर हरियाणा में निवेश करने व व्यापार बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

प्रेस दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं

(दिनांक 15.11.2022)

प्रभाव : मुख्यमंत्री जी ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर मीडिया जगत से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। प्रेस दिवस की पूर्व संध्या पर जारी एक संदेश में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया को चौथा स्तंभ कहा जाता है। सरकार के कार्यों एवं जन कल्याणकारी नीतियों को जनता तक पहुंचाने में मीडिया की अहम भूमिका होती है।

सूचना प्रौद्योगिकी के युग में मीडिया का कार्य आसान तो हुआ है परंतु फिर भी एक संवाददाता को तथ्यों की पुष्टि किये बिना अपना समाचार जारी नहीं करना चाहिए क्योंकि आज के युग में क्षण भर में सोशल मीडिया पर सूचनाओं का आदान–प्रदान हो जाता है इसलिए सावधानी भी उतनी ही जरूरी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मीडियाकर्मी विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी जान जोखिम में डालकर पल–पल की खबर

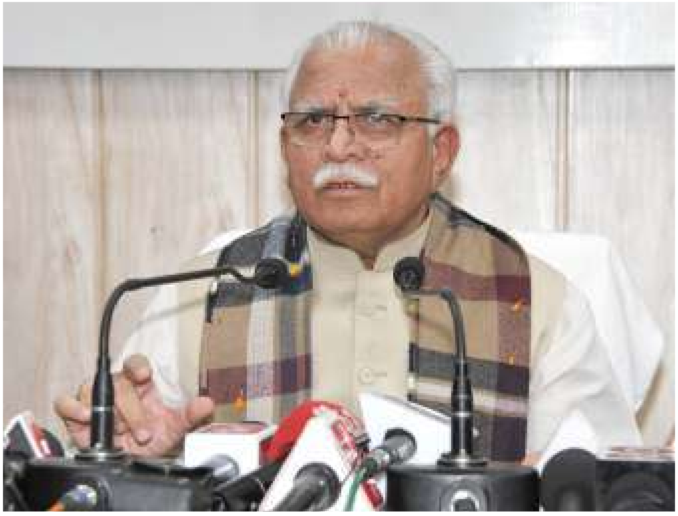

जनता तक पहुंचाते हैं। समाज में हमेशा से ही मीडियाकर्मियों के प्रति विशेष आदर व सम्मान रहा है। हरियाणा सरकार ने भी पत्रकार कल्याण की स्थापना की है। इसके अलावा वरिष्ठ मीडियाकर्मियों के लिए मासिक पेंशन, जीवन बीमा सहित अन्य सुविधाएं भी दी जा रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने आशा व्यक्त करते हुए कहा है कि मीडिया ऐसे ही उत्साह व निष्पक्षता के साथ देश–प्रदेश की जनता को जागरूक करने का काम करता रहेगा।

यूएनएफसीसीसी के 27 वें सीओपी सम्मेलन का आयोजन

(दिनांक 16.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पहली बार विश्व मंच पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) के कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी) के 27वें सत्र में हिस्सा लिया है।

मिस्र के शर्म–अल–शेख में आयोजित सीओपी–27 में राज्य सरकार की ओर से लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट दृश्पर्यावरण के लिए जीवन शैलीश् को लागू करने के लिए की जा रही विभिन्न पहलों पर तैयार कार्य योजना को प्रस्तुत किया गया।

हरियाणा के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विनीत गर्ग के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए शर्म–अल–शेख के दौरे पर है। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में अधिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि मिशन लाइफ को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और संयुक्त राष्ट्र महासचिव श्री एंटोनियो गुटेरेस द्वारा अक्टूबर 2022 में गुजरात में दिया गया था।

यूएनएफसीसीसी रियो कन्वेंशन में से एक है और 190 से अधिक सदस्य देश जलवायु परिवर्तन पर विचार करने के लिए चुनौतियों और रोड मैप पर विचार–विमर्श करने के लिए सीओपी–27 में भाग ले रहे हैं। इस दौरान हरियाणा द्वारा लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट के लिए की जा रही विभिन्न पहलों पर तैयार कार्य योजना को प्रस्तुत करने के लिए एक विशेष इवेंट भी आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न देशों, संयुक्त राष्ट्र संगठनों, सिविल सोसाइटी संगठनों के प्रतिभागियों तथा युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

सीओपी–27 में डॉ विवेक सक्सेना ने

साप्ताहिक सूचना पत्र

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा यूके के ग्लासगो में सीओपी–26 के दौरान भारत के जलवायु परिवर्तन से संबंधित कार्य योजना और प्रतिबद्धताओं के पांच अमृत तत्वों (पंचामृत) पर हरियाणा द्वारा जी जा रही पहलों को प्रस्तुत किया। विशेष इवेंट में हरियाणा सरकार की उन पहलों को दिखाया गया है, जो जलवायु लक्ष्यों और 2070 तक जलवायु तटस्थता के लिए भारत की प्रतिबद्धता का समर्थन करती हैं।

हरियाणा ने एग्रोफोरेस्ट्री और ट्री आउटसाइड फॉरेस्ट (टीओएफ) को बढ़ावा देने में बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया है। वन क्षेत्र के तहत केवल 3.5 प्रतिशत के साथ वन की कमी वाला राज्य होने के बावजूद, हरियाणा का देश के प्लाईवुड उत्पादन में गैर–वन क्षेत्रों से प्राप्त कृषि आधारित लकड़ी का लगभग 50 प्रतिशत का योगदान है। हरियाणा यूएसएआईडी समर्थित टीओएफआई (ट्री आउटसाइड फॉरेस्ट्स इन इंडिया) कार्यक्रम का भी हिस्सा है, जिसे भारत के सात राज्यों में लागू किया जाना है। टीओएफआई कार्यक्रम 420 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर सीक्वेस्ट्रेशन में योगदान देगा और टीओएफ के तहत 2.8 मिलियन हेक्टेयर नई भूमि को कवर करेगा।

सरकार की और से बताया गया कि राज्य अभियान में मेरा पानी–मेरी विरासत योजना को सम्मिलित किया गया है। इस अभियान से खेती को एक कुशल, जलवायु–स्मार्ट, आर्थिक रूप से व्यवहार्य, ज्ञान–आधारित, प्रगतिशील और उद्यम बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रवक्ता ने बताया कि अमृत सरोवर मिशन और आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हरियाणा तालाब एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण और हरियाणा वन विभाग द्वारा आर्द्रभूमि संरक्षण तथा जल निकायों एवं तालाबों का कायाकल्प के लिए मिशन मोड पर किया जा रहा है। इसके अलावा, हरियाणा ने लैंडस्केप लेवल प्लानिंग के अवसरों के मानचित्रण के लिए आईयूसीएन समर्थित परियोजना को लागू किया है।

हरियाणा विद्युत नियामक आयोग द्वारा विनियामक मंच (फोर्म ऑफ रेगुलेटर्स) की 83वीं बैठक का आयोजन

(दिनांक 18.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने हरियाणा विद्युत नियामक आयोग द्वारा आयोजित विनियामक मंच (फोर्म ऑफ रेगुलेटर्स) की 83वीं बैठक में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर अन्य राज्यों से आए हुए विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्षों व सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में हरियाणा ने बिजली के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है, जिसकी बदौलत आज हरियाणा बिजली के मामले में देशभर में अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गांव को 24 घंटे बिजली प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने वर्ष 2016 में कुरुक्षेत्र से म्हारा गांव–जगमग गांव योजना की शुरुआत की। आज राज्य में 5680 गांवों लगभग 80 प्रतिशत गांवों को 24 घंटे बिजली मिल रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कुछ प्रांतों में फ्री बिजली देने की शुरुआत हुई है, लेकिन हमने इस अवधारणा को नकारा है, क्योंकि फ्री इलेक्ट्रिसिटी इज नो इलेक्ट्रिसिटी। इससे न तो उपभोक्ताओं का भला होता है और न ही सरकार का। हरियाणा के लोगों ने भी इस बात को समझा है और वे सरकार का पूरा

सहयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बिजली क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए सरकार ने ओवर चार्ज माफ कर उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाई। राज्य सरकार द्वारा किए गए पहलों के बल पर ही पिछले 2 साल में एनर्जी एफिशिएंसी रैंक में हरियाणा शीर्ष राज्यों में शामिल हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले 8 सालों में बिजली की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की, बल्कि बिजली की दरों को घटाकर लोगों को राहत पहुंचाई है। एफएसए 37 पैसे था, जो हमने समाप्त कर दिया। इतना ही नहीं, बिजली की दर 150 यूनिट तक 4.50 रुपये प्रति यूनिट थी, जिसमें हमने कमी की और 200 यूनिट तक 2.50 रुपये प्रति यूनिट तथा 50 यूनिट तक मासिक बिजली खपत करने पर 2 रुपये प्रति यूनिट की दर निर्धारित की।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2014 में राज्य में लाइन लॉस 29 प्रतिशत थे, जो आज घटकर 14 प्रतिशत पर आ गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा के

उपयोग को भी बढ़ावा देने पर जोर दिया है। इसके तहत, 30 हज़ार सोलर कनेक्शन दिए जा चुके हैं तथा कुल 1 लाख सोलर कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सौर ऊर्जा के उपयोग से यह परिणाम हुआ कि जहां पहले बिजली पर कुल 7200 करोड़ रुपये सब्सिडी के रूप में दिए जाते थे, वहीं आज 5500 करोड़ रुपये सब्सिडी के रूप में दिए जाते हैं। इसके अलावा, सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए रूफटॉप सोलर पॉलिसी को लागू किया है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस विनियामक मंच में सभी राज्यों के विद्युत विनियामक आयोग के अध्यक्षों व सदस्यों द्वारा आमजन तक सुविधाएँ और भी बेहतर ढंग से पहुँचाने समेत कई विषयों पर चर्चा की जाएगी। इससे अन्य प्रांतों द्वारा अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिस को अन्य राज्यों के साथ साझा करने से बिजली क्षेत्र में और दक्षता सुनिश्चित होगी।

नार्को समन्वय की राज्य स्तरीय समिति की तीसरी बैठक

(दिनांक 18.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने नार्को समन्वय केंद्र की राज्य स्तरीय समिति की तीसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्रग्स की समस्या खत्म करने के लिए न केवल पुलिस बल्कि सभी संबंधित विभागों को मिल–जुलकर कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ड्रग्स न केवल अंतरराज्यीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय समस्या बन गई है। कई तरह के वित्तीय लेन–देन से ड्रग्स के मामले जुड़े होते हैं। ड्रग तस्करों पर पुलिस की सख्त कार्रवाई, तस्करों को जेल भेजने के साथ–साथ उनकी संपत्ति को भी जब्त करना होगा। हरियाणा में तो हाल ही में कई जगहों पर तस्करों की संपत्तियों को नष्ट किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हरियाणा सरकार राज्य में नशामुक्ति के लिए कड़े कदम उठा रही है। ड्रग तस्करी से राष्ट्र सुरक्षा को भी खतरा होता है, इसलिए

साप्ताहिक सूचना पत्र

मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए सभी विभागों को समन्वय स्थापित कर जागरूकता अभियान चलाने के साथ दृ साथ तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लानी होगी। नशामुक्ति केंद्रों में भी कभी दृ कभी नशे का सामान उपलब्ध करवाये जाने की शिकायतें मिलती है। इसलिए प्रदेश में जितने भी नशा मुक्ति केंद्र चाहे सरकारी हों या गैर–सरकारी संगठनों के माध्यम से चलाए जा रहे हों, उन सभी की मैपिंग की जाए और 31 दिसंबर तक सर्वे कर यहां ईलाज के लिए आए मरीजों के आंकडों का विश्लेषण किया जाए।

साथ ही मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हरियाणा सरकार का नारा है कि तू निश्चय तो कर, नशा पकड़वाओं, नशा छुटवाओ। इसके लिए एंटी ड्रग्स हेल्पलाईन नंबर 9050891508 भी जारी किया है। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की है कि वे भी राज्य सरकार की नशामुक्ति की मुहिम से जुड़ें और जहां कहीं भी नशा तस्करी या नशे के उपयोग की सूचना मिलती है तो तुरंत

पुलिस को दें।

मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाज से नशे की मुक्ति के लिए सरकार के प्रयासों के साथ–साथ लोगों को जागरूक करना बेहद जरूरी है। इसलिए नशे की बुराईयों, उससे होने वाली बिमारियों व समाज में इसके प्रतिकूल प्रभाव जैसे विषयों पर विशेष जागरूकता अभियान चलाकर समाज विशेषकर युवाओं को जागरूक करें। इतना ही नहीं, शीघ्र ही कोई एक दिन निश्चिगत करें और उस दिन स्कूलों, कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों को नशे के विरूद्ध ई–शपथ दिलाई जाए।

बाबा श्री चंद जी महाराज का 528 वें प्रकाश उत्सव

(दिनांक 19.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने कुरूक्षेत्र जिले की पिहोवा मांडी में उदासीन श्री ब्रहम् अखाड़ा साहिब द्वारा आयोजित मानवता के महान सेवक बाबा श्रीचन्द जी महाराज के 528वें प्रकाश उत्सव में शिरकत की और माथा टेक कर गुरूग्रंथ साहब को शीश नवाया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने घोषणा करते हुए कहा कि मांडी साहिब में बाबा श्री चन्द जी महाराज के नाम से 20 बिस्तरों वाला अस्पताल बनाया जाएगा। अखाड़ा साहिब जमीन उपलब्ध करवाएगी और सरकार अस्पताल बनाकर देगी और इस अस्पताल के संचालन की जिम्मेवारी उदासीन श्री ब्रहम् अखाड़ा साहिब की होगी। इसके अलावा, उन्होंने गुरुद्वारा साहिब परिसर से गुजर रही बिजली की तारों व खंभों को हटाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने अखाड़ा द्वारा रखी गई

अन्य मांगों को भी पूरा करने का आश्वासन देते हुए कहा कि इस क्षेत्र में सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सीवरेज पाइपलाइन बिछाने के लिए विभाग द्वारा उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने गुरुद्वारा साहिब की सड़क के दोनों ओर इंटरलॉकिंग कार्य को पूरा करवाने की भी घोषणा की।

प्रकाश उत्सव में प्रदेशभर से आयी साध–संगत को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि धन–धन साहिब श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हजूरी में बाबा श्री चन्द जी महाराज के प्रकाश उत्सव के इस समारोह में उपस्थित होकर मैं अपने आप को परम सौभाग्यशाली समझता हूँ। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारा देश ऋषि–मुनियों, साधु–सन्तों, महात्माओं और गुरुओं का देश है, जिन्होंने समस्त मानव समाज को सत्य, अहिंसा, प्रेम, एकता, शान्ति, सदभाव, दया, करूणा, परोपकार और मानवता का संदेश दिया और युवा पीढ़ी को प्रेरित भी किया। उन्होंने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी के दो पुत्रों में से ज्येष्ठ पुत्र बाबा श्री चन्द जी महाराज बचपन से ही भक्ति की राह पर थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन गुरु दर को समर्पित करते हुए विवाह न करने का दृढ़ संकल्प लिया। उन्होंने शरीर पर कभी भी वस्त्र धारण नहीं किये व केवल एक लंगोटे में ही जीवनयापन करते रहे। उन्होंने मानव कल्याण हेतू जीवन पर्यन्त अनेक कार्य किए। उन्होंने श्री गुरू नानक देव जी की शिक्षाओं का प्रचार किया। उनका जीवन हमें समाज सेवा की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उदासीन श्री ब्रहम् अखाड़ा महाराज के समाज सेवा के कर्म को आगे बढ़ा रहा है। ब्रहम् अखाड़ा साहिब रक्तदान शिविर लगना, गरीब कन्याओं का विवाह, खेलकूद प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन कर रहा है। उदासीन श्री ब्रहम् अखाड़ा साहिब का मानव कल्याण की गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जितनी प्रशंसाकी जाए उतनी कम है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इन सभी कार्यों में राज्य सरकार की ओर से जिस

भी प्रकार के सहयोग की आवश्यकता होगी, सरकार अवश्य मदद करेगी। हमारी सरकार भी समाज कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने उदासीन श्री ब्रहम् अखाड़ा साहिब तथा उपस्थित साध संगत से अपील की कि आज नशा बड़ी समस्या बनता जा रहा है और नशे की ओर जाने से युवाओं को रोकने के लिए उन्हें जागरूक करना आवश्यक है। राज्य सरकार सख्त कानून बनाकर नशे का कारोबार करने वालों पर कार्रवाई कर रही है, लेकिन जो युवा भटक चुके हैं, उन्हें सही मार्ग पर लाने में सामाज की भूमिका अति महत्वपूर्ण है।

इसलिए आप सभी ऐसे युवाओं और परिवारों को समझाएं और उन्हें जागरूक करने का काम करें। मिलजुल कर ही एक अच्छे समाज का निर्माण हो सकता है।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का शुभारंभ

(दिनांक 19.11.2022)

प्रभाव : कुरूक्षेत्र पहुंचकर माननीय मुख्यमंत्री जी ने सरस आर्ट एंड क्राफ्ट मेले का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता की प्रति पर पुष्प अर्पित किए और दीप प्रज्जवलित कर अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आगाज किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह हम सभी के लिए ऐतिहासिक अवसर है। आज से पहले सरस मेले की इतनी सुंदर और भव्य शुरूआत कभी नहीं हुई। ढोल–नंगाड़ों, शिल्पकारों और कलाकारों के अद्भुत संगम के बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री ने स्वयं

साप्ताहिक सूचना पत्र

कलाकारों और शिल्पकारों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री जी ने आयोजन में लगे व यहां पहुंचे लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के शुभारंभ का ऐतिहासिक अवसर है। हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र की भूमि पर भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। यह गीता ज्ञान उस वक्त जितना उपयोगी था, आज भी उतना ही उपयोगी है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र भी उस वक्त जितना उपयोगी था, आज भी उतना ही उपयोगी है। गीता का यह संदेश युगों–युगों तक याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गीता महोत्सव न केवल कुरुक्षेत्र की भूमि पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर भी मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश और विदेश से लोग अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में पहुंचेंगे। कोरोना के बाद रोनक लौटी है। इस बार भी लाखों की संख्या में लोग पहुंचेंगे। महोत्सव देखने के लिए 25 देशों से विदेशी सैलानियों के आने की उम्मीद है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के चलते 19 नवंबर से 6 दिसंबर तक कुरुक्षेत्र जाने के लिए 10 जिलों के यात्रियों को राज्य परिवहन की बसों के किराए में 50 प्रतिशत छूट मिलेगी। कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, जींद, कैथल, पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, सोनीपत और रोहतक जिले के यात्रियों को कुरुक्षेत्र पहुंचने पर बस किराये में छूट प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में सरस मेले की छटा देखने से बन रही है। यहां पर 600 से अधिक दुकानें लगाई गई हैं। इनमें 250 शिल्पकार, 100 से ज्यादा सहायता समूह व अन्य दुकानें लगाई गई हैं।

शिल्प मेले में कश्मीर से कन्याकुमारी तथा गुजरात से लेकर असम तक के शिलपकारों की शिल्प कला देखने को मिलेगी। इस महोत्सव में हमें लघु भारत की झलक देखने को मिलेगी।

ओमान सल्तनत के शाही परिवार के सदस्य सैय्यद नवाफ बिन बरघाश अल सईद से मुलाकात

(दिनांक 19.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने संत कबीर कुटीर पर ओमान सल्तनत के शाही परिवार के सदस्य सैय्यद नवाफ बिन बरघाश अल सईद से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान हरियाणा राज्य और ओमान सल्तनत के बीच सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री जी ने राज्य का निर्यात ग्राफ बढ़ाने के लिए नवाफ बिन बरघाश अल सईद से बासमती चावल के निर्यात और प्रदेश के कुशल मैनपावर के लिए उद्योगों में रोजगार के अवसरों तथा अन्य क्षेत्रों में परस्पर सहयोग पर विचार –विमर्श किया। इसके अलावा, निवेश और व्यापार बढ़ाने को लेकर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रदान कर उन्हें विदेशों में रोजगार के अवसर मुहैया करवाना है। इस उद्देश्य के लिए तथा हरियाणा में विदेशी निवेश आकर्षित करने व व्यापार बढ़ाने के लिए प्रदेश में अलग से विदेश सहयोग विभाग बनाया है। हरियाणा ने दुसरे देशों के साथ समन्वय के लिए विदेश सहयोग विभाग के तहत हरियाणा निर्यात संवर्धन परिषद और हरियाणा विदेशी प्लेसमेंट सेल की स्थापना की है। यह विभाग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और हैफेड के साथ मिलकर एक्सपोर्ट प्रमोशन करेगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री जी ने सैय्यद नवाफ बिन बरघाश अल सईद को श्रीमद्‌भगवद्‌गीता की प्रति भी भेंट की।

ज्योतिसर तीर्थ के श्रीकृष्ण विराट स्वरूप पर लाईट एंड साउंड शो का उद्घाटन

(दिनांक 19.11.2022)

प्रभाव : श्रीमद्भगवद्गीता की जन्मस्थली ज्योतिसर में लोकसभा के अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी और मुख्यमंत्री जी ने भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप पर लाईट एंड साउंड शो का उद्घाटन किया।

इस अद्भुत दृश्य को देखकर लोकसभा अध्यक्ष जी मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने हरियाणा सरकार के इस कदम की सरहाना की। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक स्थलों को तीर्थाटन के रूप में विकसित करने की हरियाणा सरकार की यह अच्छी पहल है। इसी तरीके से इन स्थलों को बड़े तीर्थाटन स्थलों के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री जी को इसके लिए बधाई भी दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने भी लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी के पवित्र ज्योतिसर तीर्थ पर पहुंचने पर

उनका स्वागत व अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि ज्योतिसर तीर्थ पर श्री कृष्ण के विराट स्वरूप पर लाईट एंड साउंड शो का उद्घाटन करने के लिए स्वयं लोकसभा अध्यक्ष पहुंचे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्योतिसर तीर्थ पर 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से भगवान श्री कृष्ण के विराट स्वरूप को स्थापित कर दिया गया है। इस स्थल पर थ्री–डी प्रोजेक्शन मैपिंग लाईट शो शुरू किया गया है। 24 मिनट के इस शो को दिखाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसमें 30 हजार ल्यूमनस के प्रोजेक्टर, लेजर तकनीक, लाईट और अत्याधुनिक साउंड सिस्टम का प्रयोग हुआ है। इनकी मदद से भगवान श्री कृष्ण के विराट स्वरूप के अद्भुत दर्शन होंगे।

इसके साथ–साथ फायर सिस्टम का भी प्रयोग किया गया है, जो इस लाईट एंड साउंड शो को और भी विहंगम बना देता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जल्द ही आमजन के लिए इस लाईट एंड साउंड शो का समय निर्धारित कर दिया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव–2022 में श्री राम कथा का शुभारंभ

(दिनांक 19.11.2022)

प्रभाव : माननीय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला जी ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के मेला क्षेत्र में गीता ज्ञान संस्थानम की तरफ से आयोजित 9 दिवसीय श्री राम कथा के शुभारंभ अवसर पर कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन धरा से पवित्र ग्रंथ रामायण और गीता का संदेश पूरे विश्व में गूंजेंगा। यह संदेश भारत की आध्यात्मिक संस्कृति के दर्शन करवाने का भी काम करेगा। यह अद्भुत संगम अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव–2022 में गीता स्थली पर हो रही संत मोरारी बापू की श्री राम कथा में देखने को मिला है। इस कथा से पूरे समाज को एक ऊर्जा और प्रेरणा भी मिलेगी। उन्होने कहा कि भारत की आध्यात्मिक संस्कृति का संदेश ऋषि–मुनियों की धरा कुरुक्षेत्र से

साप्ताहिक सूचना पत्र

हजारों सालों से पूरे विश्व के जन–जन तक पहुंच रहा है। कुरुक्षेत्र की इस धरा पर श्री राम कथा का आयोजन होना एक अदभुत और ऐतिहासिक क्षण है।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के पावन अवसर पर श्री राम कथा का आयोजन होना एक सौभाग्य का दिन है। एक तरफ पवित्र ग्रंथ गीता को लेकर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ संत मोरारी बापू द्वारा श्री राम कथा का वाचन होगा और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जीवन का सार लोगों तक पहुंचेगा। हमें संतों के प्रवचनों को जीवन में धारण करना चाहिए।

इस कथा के माध्यम से लोगों को अपने कर्तव्य का निर्वहन करने की प्रेरणा भी मिलेगी। उन्होंने समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी नशे की ओर बढ़ रही है। इसलिए समाज के प्रत्येक नागरिक को मिलकर संकल्प करना चाहिए और नशे का कारोबार करने वाले लोगों पर सामाजिक दबाव बनाकर समाज को नशा मुक्त बनाने का प्रयास करना होगा।

फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण की परियोजनाओं का उदघाटन एवं शिलान्याश

(दिनांक 20.11.2022)

प्रभाव : मुख्यमंत्री जी ने रविवार को फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) की दो जल आपूर्ति परियोजनाओं का उद्घाटन किया और उन्हें फरीदाबाद की जनता को समर्पित किया। साथ ही उन्होंने दशहरा मैदान के विकास कार्य तथा सौंदर्यीकरण और अंखिर चौक से दिल्ली सीमा तक विशेष सड़क मरम्मत कार्य का शिलान्यास भी किया।

एफएमडीए की ये परियोजनाएं शहर के निवासियों के लिए पानी की आपूर्ति बढ़ाने के साथ–साथ उन्हें बेहतर सड़क और बुनियादी सुविधाएं प्रदान करेंगी। एफएमडीए फरीदाबाद शहर के उत्थान के लिए ऐसी विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि फरीदाबाद में अगले एक वर्ष के दौरान एफएमडीए द्वारा ढाई हजार करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए जाएंगे। इन विकास कार्यों में फरीदाबाद से नोएडा के बीच नई सड़क का निर्माण एक महत्वपूर्ण परियोजना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि फरीदाबाद शहर को पूर्वी व पश्चिमी भाग से जोड़ने के लिए 300 करोड रुपए से लिंक रोड़ों का निर्माण किया जाएगा। इसमें दो अंडरपास भी शामिल है। उन्होंने कहा

कि शहर की पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 12 नए रेनीवेल का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा ठप हो चुके 64 पुराने ट्यूबवैल को भी पुनर्जीवित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहर से जेवर एयरपोर्ट जाने वाली सड़क का निर्माण भी जल्द शुरू किया जाएगा।

इसे फरीदाबाद शहर को सबसे ज्यादा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि शहर की आंतरिक यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सिटी बस सर्विस में जल्द ही 50 नई ई–बसें शामिल की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि शहर के सेक्टर–61 में एक नया व अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बस टर्मिनल बनाया जाएगा और इसके लिए स्थान चिन्हित कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भी स्थानीय सांसद विधायक पार्षद सरपंच पंच वह किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा जिस भी विकास कार्य की मांग की जाएगी उसे तुरंत पूरा किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री जी ने शहर को अन्य विकास कार्यों की सौगात देते हुए कहा कि शहर के सेक्टर 22–23 में 8 एकड़ में पार्क का सौंदर्य करण नगर निगम द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाबा हृदयराम कुंड का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा।

ओम योग संस्थान पाली के वार्षिकोत्सव का आयोजन

(दिनांक 20.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने ओम योग संस्थान पाली के वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की । इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बच्चों में संस्कारों का विकास करने के लिए हमें शिक्षा के माध्यम को अपनाना होगा और हमें यज्ञ तथा योग जैसी प्राचीन पद्धतियों को शिक्षा में शामिल करना होगा।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 24 साल पहले स्वामी ओम प्रकाश महाराज ने इस आश्रम की नींव रखी थी और आज यह आश्रम योग व प्राचीन शिक्षा के साथ–साथ आधुनिक शिक्षा का भी बड़ा केंद्र बना हुआ है।

उन्होंने नन्हे योग साधकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन साधकों ने यह दिखा दिया है कि हमारी योगा पद्धति कितनी मजबूत है। उन्होंने कहा कि आज भारत की इस प्राचीन योग पद्धति को पूरी दुनिया ने अपनाया है। पहले 170 देशों ने सर्वसम्मति से योगा को अपनाया था और आज इनकी संख्या बढ़कर 200 हो गई है। उन्होंने कहा कि हमने प्रदेश के गांवो में 1000 से अधिक व्यामशाला बनवाई हैं जिनमें योगा का भी प्रबंध है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में इन सभी स्थानों पर योग शिक्षकों का भी प्रबंध किया जाएगा। उन्होंने जिला के 10 व्यायामशाला में योग शिक्षकों का प्रबंध करने के लिए स्वामी ओम प्रकाश महाराज से अनुरोध भी किया।

उन्होंने बढ़ते वायु प्रदूषण के दौरान यज्ञ को भी वातावरण के लिए बेहतर बताया। इस अवसर पर स्वामी ओम प्रकाश महाराज ने मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद किया और पिछले वर्ष 24 वर्षों की आश्रम की विकास यात्रा के बारे में अवगत करवाया।

साप्ताहिक सूचना पत्र